मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 16

अनुक्रमांक .....

नाम .....

102 302(DS)

2022

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

निर्देश : i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र **दो भागों – खण्ड** 'क' तथा **खण्ड 'ख'** में विभाजित है ।

ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(खण्ड-क)

1. क) 'सौ अजान एक सुजान' के लेखक हैं

i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

ii) प्रताप नारायण मिश्र

iii) श्याम सुन्दर दास

iv) बालकृष्ण भट्ट । 1

ख) 'राष्ट्र का स्वरूप' निबन्ध के लेखक हैं

i) डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल

ii) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

iii) पं० दीनदयाल उपाध्याय

iv) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी । 1

ग) 'ध्रुव यात्रा' कहानी के लेखक हैं

i) अमरकान्त ii) मुन्शी प्रेमचन्द

iii) यशपाल iv) जैनेन्द्र कुमार । 1

घ) 'विद्यानिवास मिश्र' निबन्धकार हैं

i) ललित निबन्धों के

ii) विचारात्मक निबन्धों के

iii) मनोवैज्ञानिक निबन्धों के

iv) भावनात्मक निबन्धों के । 1

ङ) 'भाषा और आधुनिकता' निबन्ध के लेखक हैं

i) वासुदेवशरण अग्रवाल

ii) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम

iii) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी

iv) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी । 1

2. क) हिन्दी साहित्य का इतिहास लिखनेवाले सर्वप्रथम विद्वान् हैं

i) डॉ० गियर्सन

ii) गार्सा द तासी

iii) डॉ० रामकुमार वर्मा

iv) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल । 1

ख) मलिक मोहम्मद जायसी को किस धारा का कवि माना गया है ?

i) ज्ञानमार्गी अथवा सन्त काव्यधारा का

ii) राममार्गी शाखा का

iii) सूफी काव्यधारा का

iv) सगुण-भक्ति धारा का । 1

ग) 'रीति काल' को 'शृंगार काल' नाम दिया है

i) मिश्र बन्धुओं ने

ii) रामशंकर शुक्ल 'रसाल' ने

iii) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र ने

iv) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने । 1

घ) 'लहर' के रचनाकार हैं

i) महादेवी वर्मा

ii) जयशंकर प्रसाद

iii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

iv) डॉ० रामकुमार वर्मा । 1

ङ) 'हिरोशिमा' कविता के रचनाकार हैं

i) रामधारी सिंह 'दिनकर'

ii) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'

iii) महादेवी वर्मा

iv) माखनलाल चतुर्वेदी । 1

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $5 \times 2 = 10$

जन का प्रवाह अनन्त होता है । सहस्रों वर्षों से भूमि के साथ राष्ट्रीय जन ने तादात्म्य प्राप्त किया है । जब तक सूर्य की रश्मियाँ नित्य प्रातःकाल भुवन को अमृत से भर देती हैं, तब तक राष्ट्रीय जन का जीवन भी अमर है । इतिहास के अनेक उतार-चढ़ाव पार करने के बाद भी राष्ट्र निवासी जन नयी उठती लहरों से आगे बढ़ने के लिए अजर-अमर हैं । जन का सततवाही जीवन नदी के प्रवाह की तरह है, जिसमें कर्म और श्रम के द्वारा उत्थान के अनेक घाटों का निर्माण करना होता है ।

i) 'जन का प्रवाह' का आशय लिखिए ।

2. क) हिन्दी साहित्य का इतिहास लिखनेवाले सर्वप्रथम विद्वान् हैं

i) डॉ० गियर्सन

ii) गार्सा द तासी

iii) डॉ० रामकुमार वर्मा

iv) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल । 1

ख) मलिक मोहम्मद जायसी को किस धारा का कवि माना गया है ?

i) ज्ञानमार्गी अथवा सन्त काव्यधारा का

ii) राममार्गी शाखा का

iii) सूफी काव्यधारा का

iv) सगुण-भक्ति धारा का । 1

ग) 'रीति काल' को 'श्रृंगार काल' नाम दिया है

i) मिश्र बन्धुओं ने

ii) रामशंकर शुक्ल 'रसाल' ने

iii) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र ने

iv) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने । 1

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5 × 2 = 10

दुर्बलता का ही चिह्न विशेष शपथ है,
पर अबला जन के लिये कौन-सा पथ है ?
यदि मैं उकसाई गई भरत से होऊँ,
तो पति समान ही स्वयं पुत्र भी खोऊँ ।
ठहरो, मत रोको मुझे, कहूँ सो सुन लो ।
करके पहाड़ सा पाप मौन रह जाऊँ ?
राई-भर-भी अनुताप न करने पाऊँ ?
थी सनक्षत्र राशि-निशा उत्तेस टपकाती,
रोती थी नीरव सभा हृदय थपकाती ।

i) प्रस्तुत पद्यांश के पाठ एवं कवि का नाम लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) 'दुर्बलता का चिह्न' क्या है ? इसे कौन किससे कह रहा है ?

iv) 'ठहरो', मत रोको मुझे, कहूँ सो सुन लो । यह कथन किसका किसके प्रति है ?

v) नीरव सभा की क्या स्थिति थी ?

अथवा

दुःख की पिछली रजनी बीच
विकसता सुख का नवल प्रभात

एक परदा यह झीना नील
छिपाये है जिसमें सुख गात ।
जिसे तुम समझे हो अभिशाप,
जगत् की ज्वालाओं का मूल;
ईश का वह रहस्य वरदान
कभी मत इसको जाओ भूल ।

i) प्रस्तुत पद्यांश के पाठ एवं कवि का नाम लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) 'नवल' तथा 'गात' शब्दों के अर्थ लिखिए ।

iv) यहाँ 'तुम' किसके लिये प्रयुक्त है और वह किसको क्या समझे बैठा है ?

v) यह किसका कैसा वरदान है ?

5. (क) निम्नलिखित में से किसी **एक** लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

i) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी

ii) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम

iii) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

i) जयशंकर प्रसाद

ii) महादेवी वर्मा

iii) रामधारी सिंह 'दिनकर' ।

6 'बहादुर' **अथवा** 'पंचलाइट' कहानी का उद्देश्य लिखिए । 5

अथवा

'ध्रुव-यात्रा' **अथवा** 'पंचलाइट' कहानी का सारांश लिखिए ।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी **एक** खण्ड के **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

i) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर श्रवणकुमार की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'सन्देश' खण्ड की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

ii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के सप्तम सर्ग की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'श्रीकृष्ण' का चरित्रांकन कीजिए ।

iii) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य का कथासार अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर महात्मा गाँधी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

iv) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की नायिका का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का कथासार लिखिए ।

v) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य को कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

अथवा

'त्यागपथी' के आधार पर 'राज्यश्री' का चरित्रांकन कीजिए ।

[Turn over

★★Y

vi) 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(खण्ड-ख)

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

संस्कृतसाहित्यस्य आदिकविः वाल्मीकिः, महर्षि-व्यासः, कविकुलगुरुः कालिदासः अन्ये च भास-भारवि-भवभूत्यादयो महाकवयः स्वकीयै ग्रन्थरत्नैः अद्यापि पाठकानां हृदि विराजन्ते । इयं भाषा अस्माभिः मातृसमं सम्माननीया वन्दनीया च, यतो भारतमातुः स्वातन्त्र्यं, गौरवम्, अखण्डत्वं सांस्कृतिकमेकत्वञ्च संस्कृतेनैव सुरक्षितुं शक्यन्ते । इयं संस्कृतभाषा सर्वासु भाषासु प्राचीनतमा श्रेष्ठा चास्ति । ततः सुष्ठूक्तम् 'भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाण भारती' इति ।

अथवा

याज्ञवल्क्यो मैत्रेयीमुवाच-मैत्रेयि । उद्यास्यन अहम् अस्मात् स्थानादस्मि । ततस्तेऽनया कात्यायन्या विच्छेदं करवाणि इति । मैत्रेयी उवाच-यदीयं सर्वा पृथ्वी वित्तेन पूर्णा स्यात् तत् किं तेनाहममृता स्यामिति । याज्ञवल्क्य उवाचन्नेति । यथैवोपकरणवतां जीवनं तथैव ते जीवनं स्यात् । अमृतत्वस्य तु नाशास्ति वित्तेन इति । सा मैत्रेयी उवाच-येनाहं नामृता स्याम् किमहं तेन कुर्याम् । यदेव भगवान् केवलममृतत्वसाधनं जानाति तदेव मे ब्रूहि ।

(ख) दिये गये श्लोकों में से किसी **एक** का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

निन्दन्तु नीतिनिपुणा यदि वा स्तुवन्तु
लक्ष्मीः समाविशतु गच्छतु वा यथेष्टम् ।
अद्यैव वा मरणमस्तु युगान्तरे वा ।
न्यायात् पथ प्रविचलन्ति पदं न धीराः ।

अथवा

सुखार्थिनः कुतो विद्या कुतो विद्यार्थिनः सुखम्
सुखार्थी वा त्यजेद् विद्यां विद्यार्थी या त्यजेत् सुखम्
विद्या विवादाय धनं मदाय शक्तिः परेषां परिपीडनाय।
खलस्य साधोः विपरीतमेतज्ज्ञानाय दानाय च रक्षणाय ।।

9. निम्नलिखित **मुहावरों और लोकोक्तियों** में से किसी **एक** का **अर्थ** लिखकर **वाक्य** में प्रयोग कीजिए : 1 + 1 = 2

(i) अपना उल्लू सीधा करना ।

(ii) घी के दीये जलाना ।

(iii) एक पंथ दो काज ।

(iv) एक अनार सौ बीमार ।

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए :

(i) 'अत्याचारः' का सही सन्धि-विच्छेद है

(अ) अत्य + आचारः

(ब) अति + आचारः

(स) अत् + आचारः

(द) अ + त्याचारः । 1

(ii) 'महेन्द्रः' का सही सन्धि-विच्छेद है

(अ) मह + इन्द्रः (ब) महा + इन्द्रः

(स) महे + इन्द्रः (द) महो + इन्द्रः । 1

(iii) 'नायकः' का सही सन्धि-विच्छेद है

(अ) नै + अकः (ब) न + आयकः

(स) नाय + अकः (द) नो + अकः। 1

(ख) दिये गये निम्नलिखित शब्दों की 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार सही विकल्प का चयन कीजिए :

(i) 'आत्मना' शब्द में विभक्ति और वचन है

(अ) द्वितीया विभक्ति, एकवचन

(ब) तृतीया विभक्ति, एकवचन

(स) पंचमी विभक्ति, एकवचन

(द) सप्तमी विभक्ति, एकवचन । 1

(ii) 'नाम्ने' शब्द में विभक्ति और वचन है

(अ) तृतीया विभक्ति, एकवचन

(ब) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

(स) पंचमी विभक्ति, द्विवचन

(द) सप्तमी विभक्ति, एकवचन । 1

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) अभय-उभय –

(अ) भयपूर्ण और भय रहित

(ब) भयहीन और दोनों

(स) आकाश और पृथ्वी

(द) आशा और लापरवाही । 1

(ii) कुल-कूल –

(अ) पूरा और अधूरा

(ब) यहाँ और वहाँ

(स) इस ओर और उस ओर

(द) वंश और किनारा । 1

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी **एक** शब्द के दो अर्थ लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) पत्र

(ii) तीर

(iii) अनन्त ।

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही 'शब्द' का चयन करके लिखिए :

(i) जिसका ज्ञान कम हो –

(अ) अल्पज्ञ (ब) अज्ञेय

(स) अनजान (द) अक्षम । 1

(ii) जंगल में स्वयं लगने वाली आग –

(अ) सर्वाग्नि (ब) बड़वाग्नि

(स) जठराग्नि (द) दावाग्नि । 1

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : https://www.upboardonline.com 1 = 2

(i) कृष्ण और राधा नृत्य कर रहा है ।

(ii) सूर्य पूरब में निकलता था ।

(iii) मै कलम के साथ लिखता हूँ

(iv) पुत्री पराया धन होता है ।

12. (क) 'श्रृंगार' रस **अथवा** 'वीर' रस का स्थायी भाव बताते हुए, उसकी परिभाषा अथवा उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

(ख) 'यमक' अलंकार **अथवा** 'रूपक' अलंकार का लक्षण और उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

(ग) 'दोहा' छन्द **अथवा** 'सोरठा' छन्द का लक्षण और उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

13. अपने क्षेत्र में प्रदूषण से उत्पन्न स्थिति का वर्णन करते हुए नगरपालिका अध्यक्ष को एक पत्र लिखिए । 2 + 4

अथवा

अपनी उच्च शिक्षा प्राप्ति के लिये शैक्षणिक ऋण प्राप्त करने के उद्देश्य से किसी बैंक के प्रबन्धक को पत्र लिखिए।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : 2 + 7

(i) जीवन में परिश्रम का महत्व

(ii) आधुनिक शिक्षा प्रणाली के गुण-दोष

(iii) अनियन्त्रित भ्रष्टाचार : कारण और निवारण

(iv) वर्तमान समाज में नारी की स्थिति

(v) मेरा प्रिय कवि ।

302(DS) – 2,42,000